महिला हिंसा आख़िर कब तक?

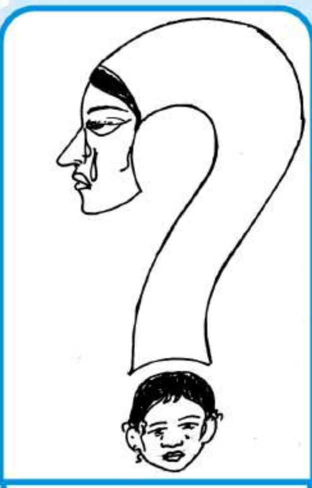

उसका क्या कसूर, जो अभी है कोख में,
सभी को है जीने का अधिकार

तुम तो लड़की हो
पढ़-लिख कर क्या करोगी
जाओ घर का काम करो

मैं लड़की हूँ क्या यही है मेरा कसूर
धिक्कार है तुम्हें हे मानव रूपी असुर

छेड़खानी करे पुरुष
शर्मिंदा होवे लड़की

महिला पुरुष दोनो से है संसार
सारे काम महिला करे ये कैसा विचार

भरपेट भोजन देकर सबको, बचा खुचा खाना खाती
न जाने इसी तरह से कितने दुख सहजी जाती

होश में रहना हे इंसान
श्रम करती, नहीं बेचती हूँ सम्मान

Aim
ए-8, सर्वोदय नगर, इन्दिरा नगर, लखनऊ- 206016। फोन व फैक्स : 0522-2349556
E-mail : aimlucknow@gmail.com

वित्तीय सहयोग : एक्शनएड इण्डिया